

वाया डोलोरोसा क्या है?

अन्य बाइबल सम्बन्धित प्रश्न

वाया डोलोरोसा, का शाब्दिक अर्थ "दुःख का रास्ता," है, यह यरुशलेम में पाए जाने वाला वह पारम्परिक मार्ग है, जिस पर हमारे प्रभु ने पीलातुस के न्याय सिंहासन, जिसे प्रेटोरियम (मत्ती 27:2-26) भी कहा जाता है, से लेकर कलवरी के पहाड़ तक उसके क्रूस पर चढ़ाए जाने वाले स्थान तक उस दिन यात्रा की थी। पिन्तुस पिलातुस द्वारा उसे दण्ड सुना दिए जाने के पश्चात्, प्रभु यीशु को रोमी सैनिकों के द्वारा पीटा गया, उसका मजाक उड़ाया गया और उस पर थूका गया (मत्ती 27:26-31)। तब वह यरूशलेम की गलियों से होते हुए गुलगुता तक गया, जहाँ उसे क्रूस पर चढ़ाया गया था (मत्ती 27:32-50)। वाया डोलोरोसा को अब "क्रूस के चौदह स्थानों" के साथ चिह्नित किया गया है, जो मार्ग में होने वाली चौदह घटनाओं का स्मरण दिलाते हैं। इनमें से कम से कम पाँच घटनाओं को बाइबल में वर्णित नहीं हैं, इसकी अपेक्षा ये रोमन कैथोलिक परम्परा से आती हैं। पवित्रशास्त्र में जिन घटनाओं के बारे में बताया गया है, उनमें से घटनाओं के वास्तविक स्थान, जैसे कि कोड़ों से मारना (यूहन्ना 19:1-3) और शमौन कुरेनी द्वारा उसके क्रूस को उठा कर ले जाना (मत्ती 27:32), वाले स्थानों के विषय में अज्ञात हैं।

बाइबल विशेष रूप से वाया डोलोरोसा का उल्लेख नहीं करती है। पवित्रशास्त्र से हम जो कुछ जानते हैं, वह यह है कि यीशु ने अपने क्रूस को प्रेटोरियम से कलवरी के पहाड़ तक उठाया था, जहाँ उसे क्रूस पर चढ़ाया

गया था। ये दोनों स्थान भी निश्चित रूप से ज्ञात नहीं हैं, परन्तु वे जहाँ भी थे, उनके बीच का मार्ग वास्तव में एक दुःखद रास्ता था। प्रभु यीशु ने जिस कष्ट और शारीरिक पीड़ा को सहन किया था, वह वास्तविक बोझ - सभी विश्वासियों के पापों का बोझ के कारण होने वाली पीड़ा की तुलना में कम थी। उसने हमारे पापों को क्रूस पर उठाया जहाँ उसने उन सभी के लिए दण्ड का भुगतान किया।

जैसा कि मसीही विश्वासी लोग क्रूस की यात्रा के बारे में चिन्तन करते हैं, हमें स्मरण दिलाया जाता है कि हमारा उद्धार एक अनमोल उपहार है और प्रभु यीशु के द्वारा इसके लिए मूल्य को चुकाया गया है। "परन्तु वह हमारे ही अपराधों के कारण घायल किया गया, वह हमारे अधर्म के कामों के कारण कुचला गया; हमारी ही शान्ति के लिये उस पर ताड़ना पड़ी, कि उसके कोड़े खाने से हम लोग चंगे हो जाएँ" (यशायाह 53:5)। जैसा कि हम उसके द्वारा उठाई गई पीड़ा और अपमान के बारे में सोचते हैं, जो उसने हमारे लिए सहन की, ऐसे मूल्य को चुका कर, जिसे हम कभी भी स्वयं नहीं चुका सकते, तो हम उसकी प्रशंसा और धन्यवाद के अतिरिक्त और कुछ नहीं कर सकते हैं और स्वयं को उसके प्रति आज्ञाकारी जीवन के लिए प्रतिबद्ध कर सकते हैं।

स्रोत / Source: <https://www.gotquestions.org/Hindi/Hindi-Via-Dolorosa.html> | English: <https://www.gotquestions.org/Via-Dolorosa.html>

www.GotQuestions.org · <https://www.gotquestions.org/Hindi> · © Copyright
Got Questions Ministries · questions@gotquestions.org